भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1810
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 10 मार्च, 2025
19 फाल्गुन, 1946 (शक)

खुजराहो मंदिर समूह का जीर्णोद्धार

1810. श्री विष्णु दत्त शर्मा:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस तथ्य से अवगत है कि विश्व धरोहर स्थल खजुराहो मंदिर समूह के जीर्णोद्धार की तत्काल आवश्यकता है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस बात से भी अवगत है कि न तो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अपनी स्वीकृति दे रहा है और न ही एएसआई स्वयं उनके जीर्णोद्धार के लिए कोई ठोस प्रयास कर रहा है;

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस समस्या के समाधान के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा स्थानीय लोगों और पर्यटकों की उचित अपेक्षाओं के अनुसार मतंगेश्वर महादेव मंदिर में पूजा के समय को अधिक लचीला बनाने और इसे बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): खजुराहो जो कि एक विश्व धरोहर स्थल है, के पश्चिम, पूर्वी और दक्षिणी समूहों के मंदिरों का संरक्षण और परिरक्षण किया जाना एक सतत प्रक्रिया है और इसे आवश्यकताओं एवं संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है। खजुराहो स्थित इन मंदिर समूहों का परिरक्षण और रख-रखाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जाता है और ये सभी मंदिर भली-भांति संरक्षित हैं।

(ङ) स्थानीय लोगों की उचित अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए मातंगेश्वर महादेव मंदिर को खजुराहो मंदिर के पश्चिम परिसर की मुख्य सीमा से बाहर रखा गया है। उक्त मंदिर में प्रवेश निःशुल्क है तथा दर्शन का समय एएमएएसआर की नियमावली के अनुसार है।

*****